द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय (स्वायत्तशासी)

उत्कृष्ठता हेतु सक्षम महाविद्यालय (भाषायी अल्पसंख्यक संस्थान)

Dwaraka Doss Goverdhan Doss Vaishnav College (AUTONOMOUS)

College with Potential for Excellence (Linguistic Minority Institution)

दर्पण

हिन्दी विभाग शिफ़्ट - २

April 2021 / Annual Publication / Volume -1, Issue -1

विभागीय विशेष सेवाएँ

सेमीनार/वेबीनार/और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन,

हिन्दी ज्ञान एवं साहित्य के विकास हेतु छात्रों को प्रोत्साहित करना,

सम्पादक

डॉ. अशोक कुमार द्विवेदी

सह संपादक मण्डल -

डॉ. सुनील पाटिल

डॉ. मनोज कुमार द्विवेदी

डॉ. कुमार अभिषेक

डॉ. प्रवीण कुमार मिश्रा

सचिव एवं प्राचार्य के संदेश	02
विभागाध्यक्ष की मेज से	03
विभाग के बारे में	04
विभाग की गतिविधियां	5 & 6
विभाग की उपलब्धियां	7 & 8

Scanned with CamScanner

शुभकामनाएँ

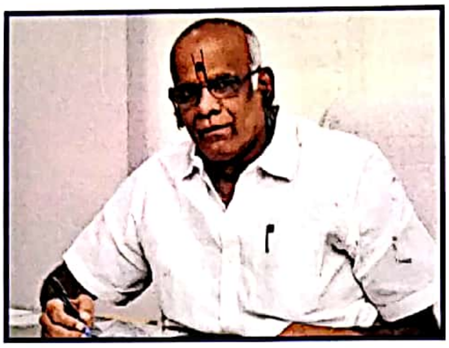

श्री अशोक कुमार मुंधड़ा जी

सचिव - डी जी वैष्णव कालेज

भाषा मनुष्य के व्यक्तित्व का आभूषण है. 'भाषा भूषण मनुज का' की मान्यता सदैव से समादरित है. भाषा के बिना समाज के आपस में जुड़ने की संभावना ही समाप्त हो जाती है. पर बात जब राष्ट्र भाषा की हो तो प्रत्येक भारतीय की यह नैतिक जिम्मेदारी बन जाती है कि वह इसे अपनाए और इसका सम्मान ऐसे करे जैसे राष्ट्र का सम्मान किया जाता है. हिन्दी हमारे देश की राष्ट्र भाषा हैं और इस भाषा को बोलने समझने लिखने पढ़ने पर प्रत्येक भारतीय को गर्व महसूस करना चाहिए. हम बहुत दिन से चाहते थे कि हमारे महाविद्यालय से भी हिन्दी में एक पत्र का प्रकाशन किया जाय क्योंकि हमारे महाविद्यालय में हिन्दी छात्रों की संख्या शहर के अन्य महाविद्यालयों से कही ज्यादा है. हिन्दी विभाग शिफ़्ट-२ द्वारा प्रकाशित न्यूज लेटर -'दर्पण हिन्दी शिफ़्ट-२' इस दिशा में एक सार्थक प्रयास है. हमारे महाविद्यालय के हिन्दी छात्र जरुर इससे लाभान्वित होंगे. उनको भी प्रकाशन का एक नया मंच मिलेगा. विभाग का यह पहला प्रयास है, हो सकता है इसका कलेवर लघु हो, पर आने वाले समय में इसका कलेवर बढ़ाया जा सकता है जो छात्रों के लिए उपयोगी होगा. विशेषकर अहिन्दी भाषी छात्र इससे लाभ उठा सकेंगे. हम इसके लिए हिन्दी विभाग शिफ़्ट-२ को साधुवाद देता हूँ और इसके सतत प्रकाशन की मंगल कामना करता हूँ.

प्राचार्य की प्रेरणा

कैप्टन डॉ. एस. संतोष बाबू

प्राचार्य, डी. जी. वैष्णव कालेज

'दर्पण हिन्दी शिफ़्ट-२' का हिन्दी भाषा में प्रकाशन, विभाग की शोभा है. जिससे हमारे महाविद्यालय के समस्त हिन्दी छात्र लाभान्वित होंगे. हमारे लिए भी यह हर्ष का विषय है. हमारे महाविद्यालय में हिन्दी शिफ़्ट-२ में कुल ६३० छात्र ऐसे हैं जो वर्तमान सत्र में हिन्दी भाषा का अध्ययन कर रहे हैं. दक्षिण भारत में ऐसे छात्रों की संख्या अधिक है जिनकी मातृ भाषा हिन्दी नहीं है पर वह हिन्दी पढ़ रहे है या पढ़ना चाहते हैं. उन छात्रों के लिए इस तरह का प्रकाशन लाभदायक हो सकता है. विभाग की पूरी जानकारी हिन्दी भाषा में मिल सकेगी. हमारे महाविद्यालय के अहिन्दी भाषी प्राध्यापको को भी कम से कम हिन्दी भाषा बोलने की बहुत इच्छा है. मुझे विश्वास है कि इस न्यूज लेटर के माध्यम से उनको कुछ तो हिन्दी पढ़ने का सुअवसर मिलेगा. भाषा से संस्कृति जीवित रहती है, संस्कृति हमारी अक्षय निधि है. भारतवर्ष अपनी इस संस्कृति की विरासत के बल पर विश्व पटल पर अपनी एक अलग पहचान रखता है. देश की इस राष्ट्रीय भाषा हिन्दी के उत्तरोत्तर विकास से हम अपनी इस विरासत को प्राणवान रखने में अपनी सेवा अर्पित कर सकते है. इस न्यूज लेटर का प्रकाशन इस दिशा में एक सार्थक प्रयास है. मुझे आशा है कि इस पत्र का कलेवर और भी छात्रोपयोगी विषयों को अपने में समाहित करेगा. हम इसके सफ़ल प्रकाशन एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभ कामना करता हूँ.

Scanned with CamScanner

विभागाध्यक्ष की कलम से

किसी ने सच कहा है कि 'पुरुष बली नहिं होत है, समय होत बलवान'. समय की प्रतिकूलता किसी से छिपी नहीं है. इसको नकारना एक तरह की बेहयाई है. पूरा देश इस समय कोरोना से बुरी तरह प्रभावित है जिसका सीधा प्रभाव हमारी शिक्षा व्यवस्था पर पड़ा है. सिस्टम की तमाम उपलब्धता के बावजूद हम वह महाविद्यालयीय माहौल नए छात्रों को नहीं दे पाये है जिसके वे हकदार है. पर समय ने सबको बाध्य कर दिया है. हम अपने छात्रों को यह बताना चाहेंगे की निराश होने की जरुरत नहीं है, आप अपने को कभी हारा हुआ न समझे. इसे संघर्ष और चुनौती के रुप में स्वीकार करें और कर्म पथ पर चलते रहें. इस विश्वास पर कि -गिरते है सह - सवार ही मैदान-ए-जंग में?

यह शख्स क्या गिरेगा, जो घुटनों के बल चले ??

जो सदा घुटने टेक कर चलते हों उनके गिरने के अवसर नहीं होते.

हम समय कि इस कसौटी पर खरे ही उतरेंगे. इस विषम परिस्थिति में भी हम ऑनलाइन क्लास लेते रहे, ऑनलाइन परीक्षाएँ भी करते रहे, कालेज की गतिविधियों को सुचारु रूप से सम्पन्न करते रहे. अब तक दो सत्र सभी औपचारिकता के साथ पूरा भी कर लिए. इसी क्रम में न्यूज लेटर प्रकाशन का कार्य भी सम्पन्न किया गया. यह मेरा पहला प्रयास है जो विभाग की गरिमा के लिए आवश्यक था. हम विभाग के एक छोटे से सहयोगी है इसलिए यह हमारा कर्तव्य भी है. हिन्दी विभाग़ शिफ़्ट-२ लगभग ३२ विभागो (स्नातक) का समूह है जिसमें कुल ६३० बच्चे हिन्दी पढ़ रहे हैं. विभाग़ का पूरा परिचय हम अगले पृष्ठ पर देंगे, यहां हम यह अवगत कराना चाहेंगे कि हमने इस न्यूज लेटर को हिन्दी भाषा में प्रकाशित करने कि कोशिस की है और विभाग़ की उपलब्धियों को गिनाने की कोशिश की है. हम विभाग़ से बड़े नहीं है, अपितु विभाग़ है तो हम सभी हैं. इस छोटे से कलेवर में हमने माननीय सचिव एवं आदरणीय प्राचार्य के आशीर्वचन को प्रकाशित किया है जिनकी प्रेरणा से ही यह प्रकाशन संभव हो पाया है. आगे के पृष्ठों में विभाग के कार्यक्रम, प्राध्यापकों की उपलब्धियां, छात्रों की उपलब्धियां, विभाग का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया है. इस प्रकाशन में विभाग के प्रशिक्षित और समर्पित प्राध्यापकों का सहयोग साधुवाद के काबिल है. वर्ष पर्यंत छात्रों का सहयोग सराहनीय है. त्रुटियाँ जरुर हो सकती है जिसके लिए क्षमा प्रार्थी रहूँगा.

धन्यवाद.

डॉ. अशोक कुमार द्विवेदी, विभागाध्यक्ष - हिन्दी विभाग़ शिफ़्ट-२

Scanned with CamScanner

हिन्दी विभाग़ शिफ़्ट-2

संस्था एक वट वृक्ष के समान होती है जिसकी छाया तले न जाने कितने लोग अपना जीवन यापन करते हैं. लोग आते हैं अपनी सेवा समर्पित कर चले जाते हैं, पुनः दूसरा आता है, यह क्रम चलता रहता है पर संस्था वहीं रहती है. ठीक उसी वट वृक्ष की तरह जिसकी छाया में पथिक थका माँदा आता है, उसकी शीतल छाया में अपना श्रम मिटाता है और फ़िर आगे चल देता है, पर वट वृक्ष तो वहीं रहता है. यह हिन्दी विभाग शिफ़्ट-२ भी वही वट वृक्ष है जिसकी छत्र छाया में हम सभी अपनी सामर्थ्य के अनुसार हिन्दी की सेवा कर रहे है. या कहिए जी रहे है. सन १९७० में कुछ गिने चुने विभागो एवं विद्यार्थियों के साथ यह विभाग़ अपने अस्तित्व में आया और निरंतर विकसित होते हुये आज लगभग ३५ विभागों, ६३० छात्रों एवं ७ प्राध्यापको का परिवार बन गया है. इसके विकास क्रम में हम सबसे पूर्व अनेक विद्वानो ने अपनी सेवाएँ दी है जिसमें डॉ. एम. शेषन जी,, डॉ. ह्रदय नारायन पांडे जी, डॉ. रामसूरत सिंह जी आदि की सेवाएँ शामिल है. हम वर्तमान समय में कुल ७ आचार्य इस विभाग़ की सेवा में सेवारत हैं.

पठन पाठन तो बेसिक स्तर का ही है जो मद्रास विश्व विद्यालय के नियमो के अनुसार है.

कामर्स ग्रुप के लिए एक वर्षीय पाठ्यक्रम की व्यवस्था की गयी है जिसमें बीकाम, बीबीए, बीसीए, आनर्स, एमसीए, पीसीए, बीबीएम, बीकाम एकाउंट/फ़ाइनेंस, बीकाम मार्केटिंग/मैनेजमेंट, बीकाम फ़ाइनेंस/टैक्सेशन, आदि विभाग़ शामिल हैं. जिन विभागों के छात्र दो वर्ष हिन्दी पढ़ते हैं उनमें बीकाम कारपोरेट सेक्रेटरिशिप, एकोनामिक्स, बीजिनेस एकोनामिक्स, साइकोलोजी, सोसिओलोजी, इंटीरियर डिजाइन, क्रिमिनोलोजी, टीटीम, कंप्यूटर साइंस, बी ए इंगलिश, आदि विभाग़ शामिल हैं. इस विभाग का यह भी सौभाग्य है कि हमारा महाविद्यालय स्वायत्तशासी हो चुका है. हम अपने विद्यार्थियों की सुविधा और जीवनोपयोगिता के अनुसार ही पाठ्यक्रम को वरीयता दिये हैं. जो बेहद लाभकारी साबित हुआ है.

छात्रों की अनेक प्रतिभाओं को निखारने के लिए और उन्हें एक बड़ा मंच देने के लिए हम अनेक कार्यक्रम करते हैं. जिसमें विभाग़ का दर्पण नामक सांस्कृतिक कार्यक्रम बेहद प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय है. इसके अलावा वर्ष में निबंध प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता भी

Scanned with CamScanner

रखते है जिनके विजेताओं को कालेज डे के मंच से पुरस्कृत किया जाता है. हमारे छात्र अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग़ लेते हैं और पुरस्कृत किए जाते हैं जिसका विवरण हम आगे प्रस्तुत करेंगे. हमारा महा विद्यालय हिन्दी के टापर छात्र को भी पुरस्कृत करता है. हम अहिंदी भाषी छात्रों को विशेष अतिरिक्त समय देकर उनकी हिन्दी बोलने की क्षमता को और विकसित करते हैं. विभाग़ की पुस्तकालय व्यवस्था भी बहुत अच्छी है. यहाँ यह स्पष्ट कर देना मैं न्यायोचित समझता हूँ कि कालेज की प्रबंधन समिति हिन्दी विभाग़ को सदैव सकारात्मक सहयोग देती है. विशेषकर वर्तमान सचिव श्री अशोक कुमार जी मुंधड़ा और प्राचार्य श्री डॉ. संतोष बाबू जी तथा कोषाध्यक्ष श्री अशोक केडिया जी का सहयोग हमेशा मिलता रहता है. हमारा आचार्य मण्डल ऐसे ही सहयोग की आशा करते हुये इस महाविद्यालय के निर्देशन में अपनी हिन्दी सेवा जारी रखेंगा.

महाविद्यालय एवं विभाग की गरिमा के लिए हमारा आचार्य मण्डल सदैव तत्पर रहेंगा.

विभागीय गतिविधि 2020-21 / हिन्दी शिफ़्ट-2

इस सत्र का प्रारंभिक दौर बेहद अव्यवस्थित रहा. कोरोना की भयावह स्थिति एवं सरकार के आदेशों के मुताबिक छात्रों को कालेज परिसर में बुलाना अत्यंत जोखिम भरा था. मानवता की सुरक्षा में पूरा तंत्र लगा हुआ था. छात्र और प्राध्यापक वर्ग टेकनिकल संसाधनो के सहयोग से ही पठन पाठन का कार्य कर रहे थे. ऐसे में विभागीय गतिविधियां भी प्रभावित हुयी हैं. फ़िर

भी छात्रों ने हमको अपना पूरा सहयोग दिया और ऑनलाइन कार्यक्रमों को सम्पन्न करने में अपनी उत्सुकता दिखाई जिसकी वजह से हमने अनेक कार्यक्रम सम्पन्न किए.

१. दिनांक १८-०१-२०२१ को विभाग़ ने आभासी अतिथि व्याख्यान आयोजित किया जिसमें पांडिचेरी विश्व विद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. सी. जयशंकर बाबू ने 'शिक्षण एवं अधिगम में सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी का प्रयोग' विषय पर अपना कीमती विचार एवं वर्तमान समय के लिए उपयोगी टेक्निकल ज्ञान प्रस्तुत किया.

२. दिनांक २३-०३-२०२१ को राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें महर्षि पाडिनी संस्कृत वेद विश्व विद्यालय, उज्जैन, मध्य प्रदेश के सेवा निवृत कुलपति प्रोफ़ेसर डॉ. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी ने 'भक्ति साहित्य का सामाजिक योगदान' पर अपना बहुमूल्य विचार व्यक्त किया.

३. दिनांक २३-०३-२०२१ को मध्यान्ह राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें गुरु नानक कालेज की हिन्दी विभागाध्यक्षा तथा स्कूल आफ़ लैंगवेज की डीन डॉ. स्वाति पालीवाल ने 'युवाओं के लिए हिन्दी कविता का

Scanned with CamScanner

योगदान एवं प्रेरणा' विषय पर अपना समयोचित और प्रासंगिक व्याख्यान प्रस्तुत किया.

४. दिनांक २६-०३-२०२१ को एक बृहद राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें पल्लव टाइम्स के प्रधान संपादक और सुप्रसिद्ध पत्रकार श्री मोहनलाल जी बजाज ने 'छात्रों के लिए पत्रकारिता का महत्त्व' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत कर छात्रों को लाभान्वित किया.

५. दिनांक ०५-०४-२०२१ को पुनः राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया जिसमें एम ओ पी वैष्णव महिला कालेज की हिन्दी विभागाध्यक्षा एवं सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. सुधा त्रिवेदी जी ने 'छात्रों के लिए हिन्दी एकाँकी की उपयोगिता' विषय पर अपना परीक्षोपयोगी विचार प्रस्तुत कर छात्रों का सफ़ल मार्ग दर्शन किया.

६.दिनांक ०५-०४-२०२१ को एक और राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया

जिसमें देश के प्रसिद्ध कवि, लेखक और

साहित्यकार

श्री रमेश गुप्त नीरद जी ने 'हिन्दी निबंधो का सामाजिक योगदान' विषय पर अपना बेहद सामयिक और उपयोगी व्याख्यान प्रस्तुत कर सभी छात्रों को लाभान्वित किया.

७. दिनांक २६-०३-२०२१ को हिन्दी विभाग़ शिफ़्ट-२ के आचार्यों ने पाठ्य क्रम पर आधारित विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया. डॉ. सुनील पाटिल ने आधुनिक युग, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग पर, डॉ. मनोज कुमार द्विवेदीने छायावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, और नयी कविता पर, डॉ. कुमार अभिषेक ने आधुनिक कविता विषय पर अपने व्याख्यान दिये. जिसका संयोजन डॉ. प्रवीण कुमार मिश्रा ने किया. ८. इससे पूर्व भी विभाग ने बैंक आफ़ बरौदा तथा इंडियन बैंक की सहभागिता के साथ हिन्दी की उपयोगिता पर सेमिनार आयोजित किया है. लैंगिक समानता जैसे विषय पर भी एक सेमीनार का आयोजन किया गया जिसमें 'मैं पायल' उपन्यास के लेखक महेंद्र भीष्म एवं स्वयं पायल जी (किन्नर, जिनके ऊपर उपन्यास लिखा गया) ने शिरकत की.

९. इसके अलावा हिन्दी विभाग़ हर सत्र के अंत में विद्यार्थीयों की प्रतिभा को निखारने के लिए प्रश्नोतरी, कविता लेखन, कविता पाठ, वाद विवाद, जैसी गतिविधियां आयोजित करता है. और अपने विभागीय बजट के अनुसार पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र प्रदान करता है. इस वर्ष यह आन लाइन किया गया जिसमें बीबीए, बीसीए, एमसीए, पीसीए के छात्रों ने भाग़ लिया.

Scanned with CamScanner

उपलब्धियां

सेमिनार / वेबीनार

विभाग़ के प्राध्यापक डॉ. अशोक कुमार द्विवेदी, डॉ. सुनील पाटिल, डॉ. मनोज कुमार द्विवेदी, डॉ. कुमार अभिषेक, डॉ. प्रवीण कुमार मिश्रा ने कुल २२० वेबीनार, ३५ एफ़ डी पी, २५ प्रश्नोत्तरी कार्यक्रमों में भाग़ लिया और अपने विचार प्रस्तुत किए. ५ पीर जर्नल एवं ३ यूजीसी जर्नल में प्रपत्र प्रकाशित हुये. अन्य ४ प्रपत्र विभिन्न कालेज द्वारा प्रकाशित प्रोसीडिंग बुक में भी प्रकाशित किए गए. स्टेलामारीश कालेज, एम ओ पी वैष्णव कालेज, सासुन जैन कालेज, मद्रास विश्व विद्यालय तथा भारत के अनेक महाविद्यालयो में आयोजित वेबीनार में भाग लिए.

मुख अतिथि / प्रमुख वक्ता

डॉ. अशोक कुमार द्विवेदी, डॉ. मनोज कुमार द्विवेदी तथा डॉ. कुमार अभिषेक ने नामलब्ध संस्थानो में मुख्य वक्ता, विषय विशेषज्ञ, तथा निर्णायक के रूप में भाग लिया. जिसमें केन्द्रीय विद्यालय, सीबीएससी मुख्य कार्यालय, एल आई सी, आई डी बी आई बैंक, शहर के कालेज, अन्ना आदर्श स्कूल, मदर टेरेशा विश्व विद्यालय, अन्ना यूनिवर्सिटी, सिद्धा मेडिकल कालेज, यूनानी मेडिकल कालेज, गोवा टूरिजम, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी कार्यालय तंडियारपेट, डी ए वी स्कूल, राष्ट्रीय रामायण मेला चित्रकूट आदि के हिन्दी समारोह, शामिल है.

कवि सम्मेलन

डॉ. अशोक कुमार द्विवेदी ने काव्य फ़ुहार, राष्ट्रीय कवि संगम, ओ एन जी सी के कवि सम्मेलन, आई डी बी आई गोवा के कवि सम्मेलन, मद्रास परमाणु बिजली घर कलपक्कम के कवि सम्मेलन, राष्ट्रीय महिला मंच चेन्नई, मंथन, पंजाब एसोसिएसन आदि राष्ट्रीय कवि सम्मेलनों में भाग लेकर कविता पाठ किया.

डॉ. अशोक कुमार द्विवेदी ने आल इंडिया रेडियो चेन्नई पर भी काव्य पाठ किया जिसका प्रसारण ४ रविवार को किया गया. डॉ. द्विवेदी ने छत्तीसगढ क्षेत्रीय टी. वी. चैनल पर भी अपनी भक्ति परक कविताओं का गायन किया जिसमें छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध संगीतकार श्री ललित कुमार ठाकुर ने उनकी कविता को संगीतबद्ध किया.

सदस्यता

विभाग़ के डॉ. अशोक कुमार द्विवेदी ने मद्रास विश्व विद्यालय, लोयोला कालेज, के बोर्ड ऑफ़ स्टडी (हिन्दी) के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएँ दी. इसके अलावा तमिलनाडु हिन्दी अकादमी (पंजी), तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी (पंजी), साहित्यनुशीलन समिति (पंजी), आदि साहित्यिक संस्थाओं में सदस्य, कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अपनी सेवाएँ दी है.

अवार्ड

विभाग़ के डॉ. अशोक कुमार द्विवेदी को हिन्दी निदेशालय एवं पंजाब असोसिएसन के सौजन्य से भारत भूषण गोयल अवार्ड, 'हिन्दी हृदय अवार्ड', कवि कुटुंब के सौजन्य से, साहित्य साधक मंच बेंगलोर के सौजन्य से 'साहित्य साधक अवार्ड', तमिलनाडु हिन्दी अकादमी के सौजन्य से 'राष्ट्र भाषा प्रहरी सम्मान', कविता मंच वाराणसी के सौजन्य से 'श्रेष्ठ कवि सम्मान', प्रदान किया गया. लायन्स क्लब एग्मोर इकाई की तरफ़ से डॉ. सुनील पाटिल को 'बेस्ट टीचर' अवार्ड प्रदान किया गया.

Scanned with CamScanner

छात्रों की उपलब्धियां

१.	बी काम आनर्स की छात्रा सुश्री भवानी बकरेचा ने डॉ. बाबा साहब अंबेडकर मराठावाडा विश्व विद्यालय द्वारा, विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में, अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया. भवानी पूरे दक्षिण भारत जोन से चुनी हुयी एक मात्र विजेता है.

२.	बी काम अकाउंट फिनान्स के हिमांशु पांडे ने सेंट जोसेफ़ कालेज आफ़ कामर्स बेंगलोर द्वारा

आयोजित एकल गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थानप्राप्तकिया

३.	बीबीए की छात्रा सत्यभामा ने डी जी वी सी द्वारा आयोजित फ़ोटोग्राफ़ी प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया.

४.	बी काम आनर्स की छात्रा वर्षा ने एथिराज कालेज द्वारा आयोजित फ़ोटोग्राफ़ी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया.

५.	बी काम आनर्स की छात्रा भवानी बकरेचा ने एथिराज कालेज द्वारा आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया.

६.	बी बी ए की छात्रा एस सत्यभामा ने गुरु नानक कालेज द्वारा आयोजित काव्य माधुरी में कविता पाठ किया और सम्मान प्राप्त की.

७.	बी बी ए की छात्रा एस सत्यभामा ने लाइट डे लिटरेसी द्वारा ७४वें स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 'नए भारत की तस्वीर' समारोह में भाग लिया और प्रमाण पत्र प्राप्त किया. सत्यभामा ने मीनाक्षी सुंदरराजन इंजीनियरिंग कालेज द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया और सफ़ल प्रतियोगी का प्रमाण पत्र प्राप्त किया.

८.	बी काम आनर्स की छात्रा भवानी बकरेचा ने एस डी एन बी कालेज द्वारा आयोजित 'नारा लेखन' में द्वितीय, 'लोगो मनिया' में तृतीय, डी जी वी सी द्वारा आयोजित 'आलेख लेखन' प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया.

९.	बायो केमिस्ट्री की छात्रा दिव्या द्विवेदी ने पंजाब एशोसिएशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में श्रेष्ठ कविता पाठ के लिए रू. २०,०००-०० नकद राशि का सम्मान प्राप्त किया.

१०.	बी.सी.ए के छात्र भरत कुमार ने भी कई पुरस्कार जीते.

सामाजिक सेवा

१.	डॉ. अशोक कुमार द्विवेदी ने जैन स्थानक पल्लावरम द्वारा द्वितीय लाक डाउन के दौरान आयोजित 'कोरोना के प्रति सावधानी' अभियान में हिन्दी भाषी जन सभा को संबोधित किया.

२.	डॉ. अशोक कुमार द्विवेदी ने बी जे पी टोंडियारपेट द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में अतिथि के रूप भाग लिया और गैर हिन्दी भाषी बच्चों को हिन्दी पुस्तकों का वितरण किया. इसे माननीय नरेंन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस के रूप में प्रस्तुत कर हिन्दी का प्रचार किया गया.

३.	बी बी ए की छात्रा एस सत्यभामा ने विभाग द्वारा आयोजित कोरोना सहायता अभियान में भाग लेकर ५०० स्ट्रीट नागरिकों को मास्क, सेनीटाइजर का वितरण किया तथा हैंड वॉश, सामाजिक दूरी के प्रति सजग करने, सलाह देने का अभियान पूरा किया. यह कार्यक्रम अक्तूबर में किया गया

ptd. @ Mahalakshmi - 9884634339

Scanned with CamScanner